INDIAN SCHOOL AL WADI AL KABIR

Class: IX	Department: Sanskrit 2nd Language	Date of submission: NA
Study Material	Topic: SANDHI	Note: Pl. file in portfolio

सन्धि

परिभाषा - अत्यंत समीपवर्ती दो या दो से अधिक वर्णों के मेल से या किसी नियम के अंतर्गत होने वाले परिवर्तन को सन्धि कहते हैं ।

जैसे - विद्या + आलय: = विद्यालय:

शिक्षा + अर्थी = शिक्षार्थी

सु + उक्ति = सूक्ति

सन्धि के प्रकार

स्वर सन्धि — व्यञ्जन सन्धि — विसर्ग सन्धि

स्वर सन्धि:

स्वर सन्धि के पाँच भेद होते हैं -

1. दीर्घ 2. गुण 3. वृद्धि 4. यण् 5. अयादि:

1. दीर्घ सन्धि: - (अक: सवर्णे दीर्घ:)

ह्रस्व व दीर्घ 'अक्" (स्वर) दीर्घ बनाने का नियम -

यदि पूर्वपद और उत्तरपदों में समान 'अक्' (अ, आ, इ, ई, ऋ, उ, ऊ) स्वर वर्ण हों, तो पूर्वपद के अंतिम स्वर तथा उत्तरपद के प्रथम स्वर का दीर्घ हो जाता है -

आ = 1 हिम + अंशु: = हिमांशु: 2 परम + आनंद: = परमानन्द

3.दीक्षा +अन्त = दीक्षान्त 4.महा + आत्मा = महात्मा

ई = 1 मुनि + इन्द्र: = मुनीन्द्र: 2 रजनी + ईश: = रजनीश:

3 कपि + ईश: = कपीश: 4 शची + इन्द्र: = शचीन्द्र:

ऊ = 1 गुरु + उपदेश: = गुरूपदेश: 2 सु + उक्ति: = सूक्ति:

3 भानु + उदय: = भानूदय: 4 भू + उत्सर्ग: = भूत्सर्ग:

ऋ = 1 मातृ + ऋणम् = मातृणम् 2 पितृ + ऋणम् = पितृणम्

3 भ्रातृ + ऋणम् = भ्रातृणम् 4. मही + ईश = महीश:

ख) गुण* संधि - (आद् गुण:) अ या आ के बाद इ या ई आए तो दोनों को ए हो जाता है । इसी तरह यदि अ या आ के बाद उ या ऊ आए तो दोनों ओ हो जाते हैं । इसी तरह यदि अ या आ के बाद यदि ऋ आए तो दोनों के स्थान पर अर् हो जाता है । इसे गुण संधि कहते हैं ; जैसे -

अ + इ = ए	उप + इन्द्र: = उपेन्द्र:	वीर + इन्द्र: = वीरेन्द्र:
अ + ई = ए	परम + ईश्वर: = परमेश्वर:	नर + ईश: = नरेश:
आ + इ = ए	यथा + इष्ट: = यथेष्ट:	महा + इन्द्र: = महेन्द्र:
आ + ई = ए	महा + ईश्वर: = महेश्वर:	लंका + ईश: = लंकेश:
अ + उ = ओ	हित + उपदेश: = हितोपदेश:	पर + उपकार:=परोपकार
अ + ऊ = ओ	समुद्र + ऊर्मि: = समुद्रोर्मि:	सूर्य + ऊष्मा: =सूर्योष्मा:
आ + उ = ओ	सूर्य + उदय: = सूर्योदय:	महा + उत्सव:=महोत्सव
आ+ ऊ = ओ	महा + ऊर्मि: = महोर्मि:	गंगा + ऊर्मि: = गंगोर्मि:
अ + ऋ = अर्	सप्त + ऋषि = सप्तर्षि:	देव + ऋषि = देवर्षि:
आ + ऋ = अर्	महा + ऋषि = महर्षि:	राजा + ऋषि = राजर्षि:
आ + ऋ = अर्	बर्षा + ऋतु + वर्षर्तु:	

*विशेष - अ, ए एवं ओ वर्णों को 'गुण' वर्ण कहा जाता है ।

-- ००० ----------------------------------

(ग) वृद्धि* संधि - (वृध्दिरेचि) जब अ या आ के बाद ए, ऐ स्वर आते हैं तो दोनों को मिलाकर ऐ हो जाता है और यदि ओ, औ स्वर आते हैं तो औ हो जाता है । जैसे -

अ / आ + ए / ऐ = ऐ

अ + ए = ऐ

एक + एकम् = एकैकम्   मम + एव = ममैव

अ + ऐ = ऐ

आत्म + = ऐक्यम् = आत्मैक्यम्   धन + ऐश्वर्यम् = धनैश्वर्यम्

आ + ए = ऐ

सदा + एव = सदैव   तथा + एव = तथैव

आ + ऐ = ऐ

महा + ऐश्वर्यम् = महैश्वर्यम्   माता + ऐश्वर्यम् = मातैश्वर्यम्

अ / आ + ओ / औ = औ

अ + ओ = औ   जल + ओषधि: = जलौषधि:   परम + ओज: = परमौज:

आ + ओ = औ   महा + ओजस्वी = महौजस्वी   महा + ओज: = महौज:

अ + औ = औ   जल + औघ: = जलौघ: परम + औषध: = परमौषध:

आ + औ = औ   महा + औषध: = महौषध: महा + औदार्यम् = महौदार्यम्

*विशेष - ऐ एवं औ वर्णों को 'वृध्दि' वर्ण कहते हैं ।

(घ) यण संधि: (इको यणचि) = इ, ई के बाद इन दोनों से भिन्न कोई भी स्वर हो तो इ, ई का य् हो जाता है ; उ, ऊ के बाद इनके भिन्न कोई भी स्वर हो तो उ, ऊ का व् हो जाता है तथा ऋ के बाद इससे भिन्न स्वर हो तो ऋ का र् हो जाता है; और ऌ को ल् हो जाता है । जैसे -

इ + अ = य्   यदि + अपि = यद्यपि   अति + आचार: = अत्याचार:

इ + आ = या   वि + आप्त = व्याप्त   इति + आदि = इत्यादि

ई + आ = या   सखी + आगमन = सख्यागमन   देवी + आलय = देव्यालय

उ + अ = व   सु + अल्प = स्वल्प   अनु + अय = अन्वय

उ + आ = वा   सु + आगतम् = स्वागतम्   गुरु + आदेश = गुर्वादेश

उ + ए = वे   अनु + एषणम् = अन्वेषणम्   अनु + एषकम् = अन्वेक्षकम्

ऊ + आ = वा   वधू + आगमनम् = वध्वागमनम्

ऋ + अ = र्   मातृ + अनुमति = मात्रनुमति   पितृ + अनुमति =पित्रनुमति

ऋ + आ = रा   पितृ + आज्ञा = पित्राज्ञा   मातृ + आदेश = मात्रादेश

ऋ + उ = रु   पितृ + उपदेश = पित्रुपदेश   भ्रातृ+उपदेश = भ्रात्रुपदेश

(ङ) अयादि संधि - (एचोऽयवायाव:) ए/ ऐ तथा ओ/औ के बाद यदि इनसे भिन्न कोई स्वर आता है तो ए का अय ऐ का आय ओ का अव तथा औ का आव हो जाता है; जैसे - इसे 'अयादिचतुष्टय' के नाम से जाना जाता है ।

ए + अ = अय   ने+ अन = नयनम्   शे + अन = शयनम्

ऐ + अ = आय   गै + अक: = गायक: नै + अक: = नायक:

ओ + अ = अव   भो + अनम् = भवनम्   पो + अनम् = पवनम्

औ + अ = आव   पौ + अनम् = पावनम्   पौ + अक: = पावक:

औ + इ = आवि   नौ + इक: = नाविक:

औ + उ = आवु   भौ + उक: = भावुक:

------------------------------------- ००० ---------------------------------